मा भार पर उद्यार मा ग्रहिम को प्राथमिक स्वर्ण के क्य के लिए उपयोग किय जाएगा, जो भनन्यत: निय नि के लिए स्वर्ण ग्राभूदणों | या वस्तुओं के उत्पादन के लिए उपयोग किया जाएगा, उनत मिश्चनियम की बारा 10 के खंड़ (क) के उपवस्त्रों के प्रवर्तन से भाभूषणों के निर्यात के लिए स्वर्ण ब्यौहारी की श्रनुभिन बारण करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की छूट देती है।

[फा मं. 145/26/88-स्व.नि.]

के वी. भ्रार. नायर, स्वर्ण नियंत्रण प्रशासक तथा भ्रमर सचिव

#### MINISTRY OF FINANCE

# (Department of Revenue)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd August, 1988

S. O. 784 (E):—In exercise of the powers conferred by Section 109 of the Gold (Control) Act. 1968 (45 of 1968), the Central Government being of opinion that it is necssary and expedient in public interest so to do, hereby exempts every person holding a gold dealer's licence for export of jewellery from the operation of the provisions of clause (a) of Section 10 of the said Act, subject to the condition that loan or advance on the hypothecation, pledge, mortgage or charge of any primary gold would be utilised for the purchase of primary gold used exclusively for production of gold ornaments or articles for export.

**[F. No. 145|26|88-GC.]** 

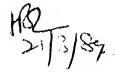
K. V. R. NAIR, Gold Control Administrator & Addl. Secy.



असाधाररा EXTPAORDINAP

भाग II—खण्ड 3—उप-एण्ड (fi) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY



ff. 428]

नई बिल्ली, संगलबार, अगस्त 23, 1988/माद्रपव 1, 1910

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 23, 1988/BHADRA 1, 1910

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## कृषि मंत्राह्य

(कृषि और सहकारिता विभाग)

मई दिल्ली, 23 प्रगस्त, 1988

### शुद्धि पत

का. ग्रा. 785 (ग्र).—भारत के राजपत्न , ग्रसाधारण भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) के पृष्ठ 2 पर प्रकाशित भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) की ग्रशिसूचना सं. का. ग्रा. 511(ग्रा), तारीख 22 मई, 1987 में, द्रव्यों की सूची के प्रसांख्यांकित कम सं. 9 में, "साइहेलोध्रा (ग्रार. एस.) एल्फासायनों—3,—फोंनोक्सवेजिल—(जेड)—(1 ग्रार. एस.) 3 ग्रार. एस.) 2-